प्रो० रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 28.02.2024 को भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला की पाँचवी श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. एंटोनी जोसफ राज, प्रोफेसर एवं डीन, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम विषय से अवगत कराया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि केन्द्र द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया, साथ ही उनके द्वारा पारिस्थितिकी में दिए गए योगदान से भी अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. जोसफ राज ने अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता से अधिक इच्छाओं की पूर्ति बताया। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनो को काटता जा रहा है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए वन विखण्डन के प्रकार तथा उनके कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैव विविधता में असंतुलन की स्थिति के नियंत्रण पर भी चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन सांचिली वर्मा, कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येता द्वारा किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। व्याख्यानमाला श्रृंखला में वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान (मध्य क्षेत्र) प्रयागराज से वनस्पति वैज्ञानिक, डॉ. नीलिमा, डॉ. लक्ष्मण, डॉ. नितिशा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पर्यावरणविद्, डॉ. पंकज श्रीवास्तव तथा विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के विद्यार्थीगण आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता एवं अन्य सहकर्मी आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
"Forest Fragmentation, Habitat Loss and Ecological Solutions"
Dr. Antony Joseph Raj
Professor & Dean, College of Forestry, SHUATS, Prayagraj

Professor & Dean, College of Forestry, SHUATS, Prayagraj

PROF. R. MISRA MEMORIAL LECTURE
"Forest Fragmentation, Habitat Loss and Ecological Solutions"
Dr. Antony Joseph Raj
Professor & Dean, College of Forestry, SHUATS, Prayagraj

Dr. Antony Joseph Raj
Professor & Dean, College of Forestry, SHUATS, Prayagraj
Date : 28.02.2024 Time : 03.00pm
Venue : Saraswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj

LITATION CENTRE
Katra, Prayagraj -211002
ICFRE-ERC

CFRE -ERC

Dr. Antony Josep
Professor & Dean, College of Forestry, SHUAT
Date : 28.02.2024 Time : 03.0
Venue : Saraswati Hall, ICFRE-ERC,
ICFRE-ECO REHABILITA
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, P
Dr. SANJAY SINGH
Dr. ANTONEY J. RAJ
ALOK YA

ecosystems and difficult /stress
sites and promotion of Agro-
forestry
• To disseminate available

प्रो० रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर बुधवार को भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक - पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला की पाँचवी श्रृंखला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. एंटोनी जोसफ राज, प्रोफेसर एवं डीन, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम विषय से अवगत कराया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि केन्द्र द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया साथ ही उनके द्वारा पारिस्थितिकी में दिए गए योगदान से भी अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. जोसफ राज ने अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता से अधिक इच्छाओं की पूर्ति बताया। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनो को काटता जा रहा है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए वन विखंडन के प्रकार तथा उनके कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैव विविधता में असंतुलन की स्थिति के नियंत्रण पर भी चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन सांचिली वर्मा, कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येता द्वारा किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। व्याख्यानमाला श्रृंखला में वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, प्रयागराज से डॉ. नीलिमा, डॉ. लक्ष्मण, डॉ. नितिशा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. पंकज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता एवं अन्य सहकर्मी आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

Prof. Ramdev Mishra Memorial Lecture Series organized

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: On the auspicious occasion of National Science Day on at IAIIMS. - Ecological Restoration Centre, Prayagraj by Prof. R. The fifth series of Mishra Memorial Lecture Series was organized. The program was inaugurated by lighting the lamp by Chief Guest Dr. Antony Joseph Raj, Professor and Dean, College of Forestry, SHUATS, Prayagraj and Center Head Dr. Sanjay Singh along with other senior scientists. Center head Dr. Singh welcomed the chief guest and informed about the program topic. He described Ramdev Mishra as the father of Indian ecology and also highlighted his outstanding contribution in the world of science. Program coordinator Alok Yadav, senior scientist said that Prof. Ramdev Mishra Memorial Lecture Series is being organized continuously since the year 2020. He met the father of Indian ecology, Prof. R. While paying tribute to Mishra, he was completely introduced and also informed about his contribution to ecology. Chief guest Dr. Joseph Raj, while presenting the guest lecture, explained that the imbalance in the ecosystem is due to the fulfillment of man's desires more than his needs. He told that man is cutting forests to fulfill his needs. He discussed in detail various points to maintain balance in the ecosystem and highlighted the types of forest fragmentation and their causes. He also discussed the control of imbalance in biodiversity.

The program was conducted by Sanchili Verma, Junior Research Fellow. Senior scientist Dr. Anubha Srivastava gave the vote of thanks. Dr. Neelima, Dr. Laxman, Dr. Nitisha from Botanical Survey Institute, Prayagraj, Dr. Pankaj Srivastava from Allahabad University etc. were present in the lecture series. Senior scientists of the center Dr. Anita Tomar, Dr. Kumud Dubey, senior technical officer Dr. S. were present in the program. Students working in various projects along with D. Shukla, Technical Officer Ratan Gupta and other colleagues etc. were present.

भारतीय पारिस्थितिकी के जनक थे प्रो. रामदेवः डॉ संजय

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बुधवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र सभागार में प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के पांचवीं श्रृंखला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स के डीन डॉ. एंटोनी जोसफ राज एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

केंद्र प्रमुख डॉ सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया। साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव ने बताया कि केंद्र की ओर से प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका परिचय दिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता और इच्छा वजह है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। संचालन सांचिली वर्मा ने किया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। डॉ नीलिमा, डॉ लक्ष्मण, डॉ नितिशा, डॉ पंकज श्रीवास्तव, डॉ अनीता तोमर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

प्रो0 रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन संपन्न

कार्यालय प्रतिनिधि

प्रयागराज (सहज शक्ति) ।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला की पाँचवी श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. एंटोनी जोसफ राज, प्रोफेसर एवं डीन, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम विषय से अवगत कराया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि केन्द्र द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया साथ ही उनके द्वारा पारिस्थितिकी में दिए गए योगदान से भी अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. जोसफ राज ने अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता से अधिक इच्छाओं की पूर्ति बताया। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनो को काटा जा रहा है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिनन्र बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए वन विखंडन के प्रकार तथा उनके कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैव विविधता में असंतुलन की स्थिति के नियंत्रण पर भी चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन सांचिली वर्मा, कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येता द्वारा किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। व्याख्यानमाला श्रृंखला में वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, प्रयागराज से डॉ. नीलिमा, डॉ. लक्ष्मण, डॉ. नितिशा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. पंकज श्रीवास्तव ,केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता एवं अन्य सहकर्मी मौजूद थे।

प्रो0 रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 28.02.2024 को भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक - पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला की पाँचवी श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. एंटोनी जोसफ राज, प्रोफेसर एवं डीन, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम विषय से अवगत कराया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि केन्द्र द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया साथ ही उनके द्वारा पारिस्थितिकी में दिए गए योगदान से भी अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. जोसफ राज ने अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता से अधिक इच्छाओं की पूर्ति बताया। उन्होंने बताया कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनो को काटता जा रहा है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए वन विखंडन के प्रकार तथा उनके कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैव विविधता में असंतुलन की स्थिति के नियंत्रण पर भी चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन सांचिली वर्मा, कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येता द्वारा किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। व्याख्यानमाला श्रृंखला में वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, प्रयागराज से डॉ. नीलिमा, डॉ. लक्ष्मण, डॉ. नितिशा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. पंकज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता एवं अन्य सहकर्मी आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

भारतीय पारिस्थितिकी के जनक थे प्रो. रामदेव: डॉ संजय

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बुधवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र सभागार में प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के पांचवीं श्रृंखला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स के डीन डॉ. एंटोनी जोसफ राज एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। केंद्र प्रमुख डॉ सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने रामदेव मिश्र को भारतीय पारिस्थितिकी का जनक बताया। साथ ही विज्ञान जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव ने बताया कि केंद्र की ओर से प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यामाला श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2020 से किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका परिचय दिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले असंतुलन में मनुष्य की आवश्यकता और इच्छा वजह है। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। संचालन सांचिली वर्मा ने किया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। डॉ. नीलिमा, डॉ लक्ष्मण, डॉ नितिशा, डॉ पंकज श्रीवास्तव, डॉ अनीता तोमर, डॉ कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता आदि मौजूद रहे।